यह सच है कि हिन्दू एवं ईस्लाम दोनों धर्मों के आध्यात्मिक साधक उचित आध्यात्मिक मार्ग का पालन करने पर ईश्वर के दिव्य जगत में प्रवेश प्राप्त करेंगे और हमेशा के लिए ईश्वरीय आनंद परिपूर्ण होकर पूरी तरह से संतुष्ट हो जाऐगे।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

यहां फिर से इस्लाम दिव्य ईश्वरीय जगत का विवरण नहीं देता। ईश्वरीय आनंद व्यापक रूप से तीन प्रमुख वर्गों में वर्गीकृत किया गया हा।
1. ब्रह्मानंद (निराकार भगवान के साथ आत्मा की एकता से)
2. परमात्मिक आनंद। (साकार भगवान को देखने से)
3. प्रेमानंद। (साकार भगवान से प्यार के संबंध से)

इस्लाम केवल पहले एक की चर्चा करता है। जबकि हिंदू तीनों की बात करता है। सभी विकल्प अनंत प्रदान करते हैं, कभी भी खुशी समाप्त नहीं होगी लेकिन रस की गुणवत्ता अलग-अलग होगी।

प्रत्येक खंड में कई कक्षाएं हैं। लेकिन ऊपर दिया हुआ व्यापक वर्गीकरण यह तय करने में मदद करेगा कि आप आध्यात्मिक क्षेत्र में कहां जाना चाहते हैं।

यदि आप भगवान के साथ आत्मा के विलय के माध्यम से भगवान के साथ आत्मा की एकता में रूचि रखते हैं तो पहला विकल्प आपका लक्ष्य होना चाहिए। ब्रह्मानंद के इस विकल्प में आपका मन मृत अवस्था में रहता है और आप बिना किसी इंद्रियों के केवल आत्मा के रूप में रहते हैं। मन अनंत खुशी लाने में बाधा है। इसे मारकर समस्या हल हो जाती है। इस तरह आप दिव्य प्रकाश के

माध्यम से पूर्ण शांति एवं आनंद का अनुभव करते हैं।

यदि आप अपने शरीर और मन को बरकरार रखना चाहते हैं और उन्हें प्राकृत से दिव्य बनाना चाहते हैं तो आप दूसरे और तीसरे विकल्प का चयन कर सकते हैं।

तीसरा विकल्प सबसे अच्छा है क्योंकि जब हमारा भगवान के साथ कोई रिश्ता जुड जाता है तो हम भगवान के साथ वैसा ही व्यवहार कर सकते है जैसा कि हम इस जगत में राजा, स्वामी, मित्र, बेटा, प्रियतम के साथ व्यवहार करते है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

इस प्रकार भगवान के साथ आत्मा का विलय एक विनाशकारी तरीका है जिसमें मन बुद्धि को मार दिया जाता हा जबकि भक्ति एक रचनात्मक तरीका है जिसमें मायिक मन बुद्धि को दिव्य बनाया जाता है।

यह पहले से ही कहा गया है कि तीनों विकल्प अनंत खुशी से युक्त है लेकिन रस की गुणवत्ता विभिन्न है। हिंदू सबसे ऊपर प्यार के माध्यम से मिलनेवाले प्रेमानंद को रखता है। और सबसे नीचे सबसे नीचे के निराकार भगवान के साथ एकता से मिलनेवाला ब्रम्हानंद। आप जो पसंद करते हो उसके लिए प्रयास कर सकते हो।

ये अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर आध्यात्मिक मार्ग पर चलने के लिए महत्वपूर्ण है। इनकी अनुपस्थिति में आध्यात्मिक उम्मीदवार के मन की शंकाओं का निरसन नही होगा और वह भगवान की ओर नही चल पाएगा।